night soil based biogas plants has been allocated to Gujarat Energy Development, Agency, Vadodara.

(c) The Central Government have released first instalment of Rs. 5.02 crores in advance to GAIC for 1994-95. Funds have also been sanctioned in advance to other agencies as per approved norms.

(d) Steps taken to further encourage farmers to set up more number of biogas plants in all States/Union Territories including Gujarat include: (i) continuation of the 1993-94 package of Central financial assistance including subsidy during the year 1994-95; (ii) involvement of a large number of non-governmental organization and turn-key entrepreneurs in the construction of biogas plants with three years' free maintenance warantee; (iii) organisation of training courses for masons turn-key entrepreneurs and users; and (iv) intensive publicity and awareness raising campaigns. Besides, the State Government of Gujarat is also providing additional subsidy.

गुजरात में गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन

420. **श्रीमति उर्मिला चिमनभाई पटेल** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन में वृद्धि करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं ;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान और इस वर्ष इस प्रयोजनार्थ गुजरात को कितनी धनराशि प्रदान की गई है और इस संबंध में वर्ष-वार ब्यौरा सहित क्या-क्या उपलब्धियां रही हैं ; और

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस संबंध में क्या लक्ष्य रखे गए है और इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) राज्य में पवन, लघु पन बिजली और बायोमास पर आधारित अपारंपरिक ऊर्जा की ग्रिड से जुड़ी विद्युत परियोजनाओं को शुरू किया जा रहा है। राज्य में उपलब्ध बड़ी संभाव्यता को ध्यान में रखते हुए राज्य में विशेषकर पवन विद्युत विकास के कार्य में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उपयुक्त स्थलों का पता लगाने के लिए पवन संसाधन आकलन कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है और पवन विद्युत विकास के कार्य में तेजी लाने के लिए राज्य द्वारा कई प्रोत्साहन शुरू किए गए हैं।

(ख) इन कार्यक्रमों के लिए पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य को 3.11 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 1991–92 के दौरान 0.55 मेव की क्षमता; वर्ष 1992–93 के दौरान 1.610 मेवा; वर्ष 1993–94 के दौरान 12.63 मेवा ; और चालू वर्ष के दौरान अब तक 13.18 मेवा की क्षमता संयोजित की गई है।

(ग) आठवीं योजना के लिए राज्य-वार लक्ष्य निर्धारित नही किए गए हैं। तथापि अब तक राज्य में कुल 40 मेवा की पवन विद्युत क्षमता स्थापित गई है। कुल 600 मेवा के लिए निजी क्षेत्र के प्रस्ताव राज्य सरकार के साथ विचार विमर्श के अंतर्गत हैं।

गुजरात में सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन

421. **श्री अनंतराय वेदशंकर दवे** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार गुजरात में सौर ऊर्जा की सहायता से विद्युत उत्पादन

क्षमता में वृद्धि करने का विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण कराया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) (क) से (ग) सौर ताप अथवा सौर प्रकाशवोल्टाय माध्यमों से विद्युत उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में गुना के निकट 30 मेवा की सौर ताप विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जी ईडीए) से एक प्रारंभिक प्रस्ताव प्राप्त हुआ। सौर ताप के माध्यम से विद्युत का उत्पादन करना एक नई प्रौद्योगिकी है जो कि स्थल विशिष्ट, अधिक पूंजी निवेश वाली प्रौद्योगिकी है और यह अन्य अनेक तकनीकी आर्थिक घटकों पर निर्भर करती है। गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी के अनुरोध के बारे में अन्य प्रस्तावों के साथ जांच की गई और इसे प्रथम अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया। तथापि, घरेलू रोशनियों, सड़क रोशनियों, सामुदायिक टेलीविजन, जल परपन, लघु ग्राम स्तर के विद्युत संयंत्रों आदि जैसे विकेन्द्रीकृत अनुप्रयोगों के लिए सौर प्रकाश-वोल्टीय प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने वाली परियोजनाओं को गुजरात में राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है

देश में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन

422. **श्री अजीत जोगी** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश एवं अन्य राज्यों को गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन करने हेतु प्रदत्त धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस प्रयोजनार्थ निर्धारित लक्ष्यों और उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) राज्य में गैर-पारंपरिक स्रोतों से विद्युत उत्पादन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्युत उत्पादन परियोजनाओं के लिए विभिन्न राज्यों, जिनमें मध्य प्रदेश शामिल है, को प्रदान की गई वर्ष-वार राशि सभा पटल पर रखे गए विवरण में दी गई है (**नीचे देखिए**)।

(ख) आठवीं योजना के लिए राज्य-वार लक्ष्य निश्चित नहीं किए गए हैं। तथापि, देश में अब तक अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के माध्यम से 325 मे०वा० से अधिक कुल विद्युत उत्पादन क्षमता संस्थापित की गई है।

(ग) अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए एक नई कार्य नीति और कार्रवाई योजना तैयार की गई है जिसका उद्देश्य व्यापार अधिस्थापन और वाणिज्यिकरण है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए एक आकर्षक संवर्धनात्मक नीति की घोषणा की है। राज्य में पवन ऊर्जा सम्पदाओं की स्थापना के लिए एक संयुक्त क्षेत्र की कम्पनी भी बनाई गई है। इसके अलावा, पवन विद्युत और छोटी पन-बिजली संभाव्यता के मूल्यांकन हेतु सर्वेक्षण तथा अनुकूल स्थलों की पहचान करने का कार्य प्रगति पर है।